



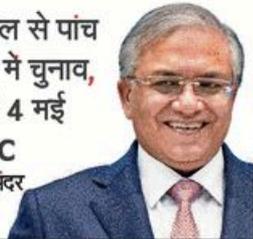
ट्रंप ने कहा,
ईरान के
साथ कोई
समझौता नहीं
▶ देखें अंदर

NBT

नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 19001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का ऑनलाइन प्रसारण करने के लिए 19001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

9 अप्रैल से पांच
राज्यों में चुनाव,
गिनती 4 मई
को: EC
▶ देखें अंदर



इंडिया के सेलर्स के लिए

0% रेफरल फीस

अब Amazon पर **1800+** कैटेगरी में
₹1000 से कम कीमत वाले **12.5+** करोड़ प्रोडक्ट पर

अब आप
और भी प्रोडक्ट लिस्ट कर सकते हैं,
बेहतर कीमत रख सकते हैं,
और अपने व्यवसाय को बढ़ाने में ज़्यादा निवेश कर सकते हैं

तो आप खुश,
और आपके कस्टमर्स भी खुश



यह चित्र केवल प्रतिनिधित्व के उद्देश्य से AI द्वारा तैयार किया गया है। इसमें दिखाए गए सभी व्यक्ति और तत्व काल्पनिक हैं, और किसी वास्तविक व्यक्ति, स्थान या घटना से किसी भी प्रकार की समानता मात्र संयोग है।



अधिक जानकारी के लिए
QR कोड स्कैन करें या amazon.in/sell पर जाएं

Amazon अपने विवेकानुसार इस संशोधन को बदल या वापस ले सकता है।
Amazon.in पर बिक्री को कोई गारंटी नहीं है और कीमत निर्धारण, प्रोडक्ट लिस्टिंग तथा बचत के उपयोग से जुड़े सभी निर्णय विक्रेता स्वतंत्र रूप से लेते हैं।

amazon.in

नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली/एनटीआर | सोमवार, 16 मार्च 2026

लोकतंत्र केवल शासन की एक पद्धति नहीं है, यह मिल-जुलकर और समानता के साथ रहने की जीवन-पद्धति है।
- डॉ. बी.आर. अंबेडकर

आयोग की चुनौती

चार राज्यों - असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और एक केंद्र शासन पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव का फैसला हो चुका है। कबने के लिए ये राज्य के इलेक्शन हैं, लेकिन इनमें ही जितने मतदाता रजिस्टर्ड हैं, उतने पूरे अर्धराष्ट्र में नहीं। मुख्य चुनाव अधिकृत जेम्स कुमार् ने बहुत गर्व के साथ बताया भी कि आंदोलित, फ्रॉस, पश्चिम अफ्रीका, जर्मनी और कनाडा को मिलाकर कहीं 17.4 करोड़ वोटर्स होने हैं। लेकिन, इस चुनाव के सिलेक्ट इन्टी बड़ी चुनौती नहीं है।

SIR पर शिक्दा। CEC ने बताया कि आयोग ने सभी चुनावी राज्यों का डीग कर तैयार कर रखी है। उन्होंने Special Intensive Revision यानी SIR का जिक्र किया कि कोई भी पास मतदाता डेटा नहीं चाहिए और कोई भी अप्रत्याशित सूचना में शामिल नहीं होना चाहिए। हालांकि इकोनॉमिस्ट यही है कि SIR शुरू होने के बाद से ही विवाद जन्म रहा है। बड़े पैमाने पर नाम कटने को लेकर विपक्ष के कई आरोप हैं। पश्चिम बंगाल में खासकर आयोग और सभा पार्टी TMC के बीच टकराव देखने को मिला है।

बंगाल में टकराव। जब मुख्य चुनाव अधिकृत वैशालि का जायजा लेने कोलकाता पहुंचे थे, तो उन्हें विशेष-प्रदर्शन का सम्मान करना पड़ा था। मतदाताओं के नाम कटने का आरोप लगाते हुए पिछले दिनों मुख्यमंत्री ममता बनर्जी धरने पर बैठी थीं। सुप्रीम कोर्ट के अग्रणीय टिप्पण्यल बनने के तुरंत के बाद उन्होंने प्रस्ताव खारिज किया था। राज्य में SIR से लगभग 63.66 लाख नाम कटे हैं और 60 लाख से ज्यादा विचारधारा हैं।

CEC के विचारक प्रस्ताव। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर इस समय सबसे ज्यादा सवाल है। CEC जेम्स कुमार् के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव से जाहिर है कि विपक्ष का मोर्चा पूरी तरह से टूट चुका है। यह प्रस्ताव TMC की तरफ से लड़ा गया था और इस पर 193 संसदीय सदस्यों ने हस्ताक्षर किए। इसका मतलब, कम से कम इस मुद्दे पर विपक्ष एकजुट दिख रहा है। इसमें विचार SIR का जिक्र है और यह भी आयोग कि CEC एक खास दल के हित में काम करते हैं। अब सरकार यह नहीं है कि प्रस्ताव पास होता है या नहीं, महत्वपूर्ण यह है कि इन चुनावों के दौरान आयोग किस तरह से अपनी रिश्ता जाहिर करते हैं।

विवाद हित में नहीं। चुनाव में सभी को बराबर मौके मिलें और किसी के साथ फायदा न हो, यह आयोग की जिम्मेदारी है। सर्वपक्षिक संस्था होने के नाते यह जरूरी हो जाता है कि आयोग की पंखा पर सवाल उठाने का किसी को मौका न मिले। कहीं इलेक्ट्रॉनिक डेटा पेशान और कहीं SIR जैसे विवाद आयोग के हित में नहीं है।

नशतर

पेड़ मुस्कुरा रहा है

हवा नहीं चल रही थी। पेड़ फिर भी हिल रहा था। पेड़ पर बैठी चिड़िया मुस्कुरा पाया था। उसने पूछा, 'पेड़ तुम क्यों क्यों हो?' 'ये लोग मुझे काटते जाते हैं', पेड़ ने पचावते हुए कहा। 'इसमें कौन से पेड़ नहीं मिलते?' 'जाना बनाने के लिए उन्हें लकड़ियों की जरूरत है।' चिड़िया उड़ी और वापस आकर बोली, 'कुछ इंसान आते रहे हैं।' पेड़ को लगा आज उसके जीवन का आखिर दिवस है। उसने मन ही मन आस देवता को यह किखा। देवता ने पेड़ से कहा, 'धन्यवादो नही, मनुष्य की मूर्खता पर भरोसा रखो, कुछ नहीं होगा।'

जा-जांच लेगा सम्भने से निकल गए, तो पेड़ ने हाहत की संस ली। वह अपनी डाल ऊंचे करके देखने लगा कि अक्षिर ये लोग कर क्या रहे हैं? लोग श्रेष्ठा आगे जाकर रुक गए। उन्होंने पास की नाली में घाड़ डाला और उसे गैस फूले से जोड़कर आग लगाने लगे। पेड़ और चिड़िया एक-दूसरे से देखकर खिल-खिलाने लगे। लोगों ने कुछ देर कोशिश की और चले गए। थोड़ी देर बाद नुत-पायबामा पेड़ने दो लोग आए और पेड़ के नीचे बैठकर खाद्य पाने लगे। उनके सम्भने से एक बुजुर्गवर कपडे। उन्होंने लल-बाई नवरो से चाय का कप देखा और नेतनभ्य अक्षित से पूछा, 'आपको रसोई गैस मिल गई क्या, जो खाद्य बनकर पी रहे हैं?' जवाब मिला, 'चाय बनने के लिए रसोई गैस की जरूरत नहीं होती। नाले की गैस से चाय बनाई जा सकती है।' दूसरे कुतुंभारी ने पहले को थू और बुदबुदाया, 'उस गैस से कूड़ा तो जाता नहीं था।' पहले ने कहा, 'यह हम जानते हैं, इसे क्या पना।' बुजुर्ग ने कहा, 'नाले की गैस से चाय बनाने का क्या तरीका है, मुझे भी बत दिये।' नेतनभ्य अक्षित ने उनका वरुसण नंबर लिखा और देर साते मेसेज भेजवाई किया। तब से वह बुजुर्ग पेड़ के नीचे बैठे पाने देख रहे हैं। उन्हें गैस, चाय, किसी चीज की जरूरत नहीं। पेड़ और चिड़िया उन्हें देखकर मुस्कुरा रहे हैं।

एकदा

कविता का सम्मान

गुजराती साहित्य के इतिहास में नाबल्लत दलतनमम कवि का नाम बड़े सम्भने से लिखा जाता है। उनका जन्म 16 मार्च 1877 को अहमदाबाद में हुआ था। युवावस्था में ही उनकी प्रतिभा चिह्न आई थी। उनकी प्रसिद्ध कविता 'वसोन्ताव' प्रकृति, प्रेम और सौंदर्य की मधुर अभिव्यक्ति के लिए जानी जाती है। उन्होंने संस्कृत के महाकवि वाल्मीकि की कृतियों 'अभिमानकान्तल' और 'मेघदूत' का गुजराती में अनुवाद किया। सखा ही मयावर्तना और कई उपनिषदों को भी गुजराती पाठकों के लिए सुलभ बनाया। एक बार उन्हें बहीदर स्टेट की गानकबा रिजर्वन के दरबार में आमंत्रित किया गया। दरबार में उनसे वजा की प्रार्थना में कविता सुनाने को कहा गया। उस समय वह सखान परंपरा थी। नाबल्लत ने विनम्रता से उनर दिख कि कविता केवल किसी को प्रसन्न करने के लिए नहीं, बल्कि सत्य और सौंदर्य की अभिव्यक्ति के लिए होती है। यदि कवि केवल प्रशंसक के दरबार में आमंत्रित होता या मूल्यांकन प्राप्त होता। दरबार में क्षणिक के लिए सन्मत्ता छा गया। वह घटना अब भी रिखाती है कि सभी प्रतिभा बही है, जो साथ ही स्वयंप्रधान के साथ खड़ी रह सके।



संकलन : मुकुंदा मड़

RSP ने चुनावी राजनीति में जैसी परिपक्वता दिखाई, वैसी प्रशासन में भी चाहिए नेपाल को कितना बदल पाएंगे बालेन

नेपाल की संसदीय राजनीति में पहली बार किसी पार्टी को अकेले रूप पर प्रचंड बहुमत प्राप्त हुआ है। इससे कम से कम राजनीतिक अस्थिरता की समस्या तो हल हुई। चौतर्फी लड़कर खड़ी कर के

चंद्रभूषण चुनाव जीतने वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (RSP) चार सत्त पुरानी है। पाँचतर काल्पर से जुड़े उसके नेता रवि लम्बिखने 2022 के संसदीय चुनाव में इतनी सट्टे ला चुके थे कि तब से लेकर इस चुनाव के पहले तक बनी चार में से तीन सरकारों में किसी न किसी रूप में उनकी हिस्सेदारी रही। लेकिन, तब की RSP से अग्री की पूर्ण बहुमत वाली RSP अपने स्वरूप में बदल अलग है।

बेदमा छवि। दुनिया भर के लोकतांत्रिक व्यवस्था के वह कितने ही मौका था, जब विचारक एक छोटे राजनीतिक दल ने भारी तेवरफेड़ वाले युवा आंदोलन का फायदा उठाने के लिए खूब को पुरी तरह जोर दे दिया। और तो और, प्रधामंत्री पद के लिए काटकांड के मेयर बालेन शाह जैसे व्यक्ति को आगे किया, जिसकी नेपाली राजनीति में अग्री तक बेदमा छवि है और किसी स्थिति राजनीतिक दल से जिसका जुड़ाव नहीं माना जाता। फिर एक ही बात बालेन और लम्बिखने पर कल्लर है कि दोनों का जुड़ाव पाँचतर सरकार से रहा है और वन ही उनके ट्रेज परफॉर्मैन्स की रिलेट देखती रही है।

लोकतंत्र बनाम राजशाही। इंटरनेट उपलब्धता को लेकर Gen Z के

नई सरकार की चुनौती

राजतंत्र समर्थक तबने सक्रिय थी। तब संदेह हो रहा था कि सिखाती पार्टियों से ही रहे मोहोपा का फायदा उठाकर कौी राजशाही दोबारा कब्जा न जमा ले। लेकिन, नेपाली जनता लोकतंत्र के रास्ते पर आगे बढ़ गई है, राज के लिए कलने को बड़ा कुश नहीं है।

युद्ध का असर। अशतोष का दूसरा मायका जनता के दर पर लिख गुणकों की अदायगी का था। नेपाल में ज्याद दरे भारत से ज्यादा है। कुर्बान-कुर्बान की खर्चे लोगों को विचलित करने लगी थी। तत्काल दो बड़े मामले महंगाई और बेरोजगारी के हैं, जिनका संबंध खार्डी की लड़ाई से है। फूल की किल्लत नेपाल के लिए बहुत बड़ी विधि है। विदेशी मुद्रा का बड़ा इस्तेमाल खार्डी क्षेत्र में काम करने वाले नेपालियों की कमाई में अक है। RSP सरकार को इस मामले से बड़े एकाग्रित के साथ निपटना होगा। एक आसत भारत और चीन के बीच संतुलन बनाने की हमेशा ही रहती है। गतिमत है कि अभी दोनों तकरवार पड़ोसियों के

जात रहा है। ये है :
1. विदेशी सहायता, जिसमें पश्चिमी NGO, चीन और भारत से मिलने वाली राष्ट्रीय मदद और वर्ल्ड बैंक-IMF जैसे संस्थाओं से लिखा जाने वाला कर्ज शामिल है।
2. बाहर काम करने गए नेपाली कामगारों का भेजा हुआ पैसा।
3. टूरिज्म से होने वाली आयदानी।

इन विधियों को बढ़ाकर एक बड़ी उद्वान यह है कि इनसे संश्लित वेनगार नहीं खड़ा होगा।

जनता की उम्मीदें। जब तक नेपाल का समाज सुस्थाओं से कटा हुआ था, प्रकृति से जुड़ने वाली एक आत्मनिर्भर पहाड़ी आत्मसंतुष्टि उम्मीद बनी रहती थी। लेकिन, अभी एक नेपाली युवा को वह सब चाहिए जो दुनिया में कहीं भी उसके जैसे लोगों को पिला रहा है। RSP ने अपने चुनावी घोषणापत्र में 7% सालाना प्रोथ रेट के साथ अपने पांच वर्षों में नेपाल को 100 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बना देने का वादा किया है। इसके आसपास भी जाने के लिए बहुत बड़ी पूंजी की जरूरत पड़ेगी, जो नेपाल की तरफ नहीं आणी, जब उसको यहां अपने लिए प्रोथ की कोई संभावना दिखेगी। बल्कि, उससे पहले युवा जाने का कोई खतरा नहीं नकर आया। आशा है कि जैसी प्रोथदर बालेन शाह और आंदरा चक्रवर्तन को फिकर करने रहे हैं। फिर उनका ध्यान राष्ट्रीय आयदानी के जरिये के रूप में तीन पुनरे सोचें (और उम्मी में अपने हिस्से) पर

(लेखक वीरेश पत्रकार हैं)

आपको देखते ही चमक उठती है फोटोकॉपी मशीन

छपे हुए को छापना आसत है, पर किसी के लिये हुए को हवा देनी की हैडगटिंग में दूसरे काज पर उजर देना... केस्टर काल्सन ने जब फोटोकॉपी का अविष्कार किया तो वह किसी चमत्कार से कम नहीं था। जैरेवस नाम तो उसे बाद में मिला, जब इसी नाम की एक कंपनी ने इसका कमर्शल इस्तेमाल शुरू किया। आज बड़े-बड़े नेटवर्क और मोटी कितने कोमोडल में सभा ख खी है, जो अब इमेज व अडिजि से भी टेक्रेट निकाल लेने वाले साफ्टवेयर इंटरनेट पर भी मिल रहे हैं, तब जैरेवस मशीनें बहुत पुरानी तकनीक लगती हैं, लेकिन इनका चमत्कार आज भी वैसा ही है। टेकनीक की राह में अग्रणी को ज्यदा अडवांसड हुई है, पर पुरानी आसत की तरह कुछ बातें हैं, जो अब भी 'फले जैसी' हैं। काम मिलते ही

फले मशीन का प्रिंट एरिया चमकती है, मने आंखों में चमक आ गई हो। फिर आती है एक आवाज, जो कहती है कि मशीन जाग चुकी है। जिस डायबिमेंट की फोटोकॉपी करनी होती है, उसे प्रिंट एरिया में रखकर कार कला पड़ता है। एंज लगत है कि जमाना इतना खुलने के बाद भी मशीनें ने अपनी परंपराओं को नहीं छोड़ा, उसे आदर चाहिए या फिर कोई संकेत है उसका जिसे वह किसी को बखत नहीं चाहती। कवर के नीचे फिर एक रोशनी बौकती है, जो कहती है कि तस्ली रडिए, काम जारी है। डायबिमेंट रकने लेते समय की खरगवट और फिर पेपर ट्रे से कामज के सरक कर बाहर आने की आवाज... एकदम गरमगरम डिलिवरी मिलती है। स्वत-कालेज से लेकर अफिरसे तक, जहां नेटवर्क है, फाइलें हैं, जहां जैरेवस

जिवन आनंद

रीलेट पांडेय

मशीनें जरूर होंगी। न जाने इन्होंने कितने घंटे बचाए हैं, जो फिर लिखने में जाते। आपके पास भी इनकी कोई 'बाद नकर होनी, खासतौर पर एजाम सौजन में इनकी दुकानों पर लगी कतर की। अगर रसोई रकने की आसत होती इन मशीनों को, तो हरेक के पास कलानियों का घोंटा-घोंटा पुलिदा होता। लेकिन, इन्हें दूसरे के रास में इकठ्ठे की आसत नहीं। कितनी भी गोपनीय फाइल हो और कितना भी जरूरी दस्तावेज, इनका दरख्त भाव नहीं बदलता। दशकों से कमबालिये की खद्योगों और बांस लोगों की गुजदार है जैरेवस मशीनें। जिन बागनों को सबसे लिखावा जात है, उन्हें भी बहुत परसे के साथ इन मशीनों को रीप्ट किया जात है। इनकी फायदगुणी होने के बाद भी इन्हें टिका जाता है कोई अकेल कोना, जहां ये गुप्ततम बैनी रहती है किसी काम के इंतकार में। इसके बाद भी कोई शिकायत नहीं है इन्हें। हालात से शिकायत करने का फायदा भी कहीं नहीं। इन्हें इनका चाहिए कि कोई आए और कटन उकरें। आपने आंदर दिख कि नहीं, इनकी आंखें फिर चमक उठेगी, नीद टूट जाएगी।

काटे की बात

हमें मध्य पूर्व और पुरी दुनिया में परमाणु खतरों को खत करना था। हम आर एसी मजबूत रिश्ती में हैं, जैसी पहले किसी ने नहीं देखी। उनजो गेबी खतम हो चुकी है, उनकी एपर फोर्स खतम हो चुकी है और उनजो ज्यादातर सेना खतम हो चुकी है।

डॉनलड ट्रंप, अमेरिका के राष्ट्रपति

मेटाबॉलिक बीमारियों का हॉटस्पॉट बन रहा भारत

रखेल वर्डन ऑफ डिजाइज (GBD) की नई स्टडी के मुताबिक, दुनिया में मोटापा तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। भारत में मोटापा, डायबिटीज और अन्य मेटाबॉलिक बीमारियों के मामले खतरनाक ढंग से बढ़ रहे हैं।



जब ईरान को इस्राइल ने बेचे हथियार

मुलुजय राय इस्राइल और ईरान के रिश्ते को समझने के लिए ट्रिटा पारसी (Trita Parsi) की किताब 'Traacherous Alliance' पढ़नी चाहिए। इसमें ट्रिटा बताते हैं कि कभी ये मुकद पदों के पीछे दोस्त हुआ करते थे। यहां से किस तरह से दोनों के संबंधों में तलजी आई और फिर दोनों के बीच युद्ध भी हुआ। अग्री अमेरिका के साथ मिलकर इस्राइल एक और युद्ध ईरान के खिलाफ लड़ रहा है। ट्रिटा ने इस किताब को लिखने के लिए इस्राइल, ईरान और अमेरिका के कई स्रोतों अभिचारियों से बात की है। वह बताते हैं कि बाहर से पहले ही एक आडिडिबेकलिकल वॉर लगे, लेकिन ईरान को नहीं है। दोनों देशों के संबंध भू-राजनीति और राष्ट्रीय हितों से निर्देशित होते रहे हैं।

किताब में बताया गया है कि जब ईरान में शाह मोहम्मद रेजा पहलवानी की सत्ता थी, तब इस्राइल और ईरान काफी करीब थे। तब दोनों ने इराक और इजिप्ट जैसे देशों के खिलाफ हाथ मिलाया था। मोबरद और ईरान की खुफिया एजेंसी SAVAK इस क्षेत्र में आ रहे संघियत संघ के हथियारों के बारे में आपस में सूचनाएं सझा करती थी। खड़ी नहीं, इस्राइल तब ईरान से तेल खरीदता था और उसके बदले उसे हथियार देता था और कृषि क्षेत्र में भी उनकी मदद करता था। 1973 में जब अरब देशों ने तेल की बिक्री रोकी थी, तब इस्राइल के लिए ईरान इसका अरब जलिया था। ट्रिटा के मुताबिक, दोनों ने उस दौर में अमेरिक फ्लानर नाथ से मिलकर इस्राइल बनाने की योजना भी शुरू की थी। उनका कहना है कि इसकी वजह भी थी। इस्राइल अरब देशों के बीच खटिये के पदक होने की वजह से अलग-अलग था, जबकि ईरान एंज गैर-अरब मुल्क था जो तकरवार था।

विचार विंडो

1980-88 के बीच जब ईरान का इराक के साथ युद्ध चल रहा था, तब इस्राइल उस युद्ध तुरीके से ईरान को 50 करोड़ डॉलर के हथियार बेचे थे। इन्होंने अमेरिका में बने F-4 लहाकू विमानों के कल्लुये भी शामिल थे। दरअसल, उस वकत इस्राइल को सहाय हलैत कही ज्यादा खतरनाक लगते थे। ट्रिटा का यह भी पानना है कि अमेरिकी नीतियों की वजह से भी ईरान का अलगाव और उससे दुश्मनी हुई। उन्होंने लिखा है कि 9/11 के आतंजवादी हमलों के बाद ईरान ने अल कायदा के बारे में सूचना देने की

पेशकश की थी। उसने परमाणु हथियार बनाने को लेकर पश्चिम और इस्राइल की चिंत दूर करने का प्रस्ताव दिया था। लेकिन तब अमेरिका में जॉर्ज बुश को सरकार थी और उसने इस प्रस्ताव को नुकरा दिया। किताब में बताया गया है कि बुश सरकार में ईरान विरोधी और इस्राइल समर्थकों की मजबूत फकर थी। ट्रिटा लिखते हैं कि इस्राइल की अमेरिका के साथ लांघि की वजह से ईरान को एंज खतम बतवाया जाने लगा, जिसे खतम करना जरूरी था। 2002 में तबने दुष्ट देशों में ईरान का नाम मालिया था। उससे इस्लामिक रिपब्लिक की टूटी इससे और बढ़ी। उसके बाद उसने परमाणु हथियार बनाने के बारे में गंभीरता से प्रश्न करने शुरू किए। लेकिन तब भी पाया है। किताब में यह भी लिखा गया है कि शीत युद्ध खतम होने के बाद ईरान का अलगाव और बढ़ा कुल मिलकर, इस किताब में यह स्पष्ट किया गया है कि इस्राइल और ईरान के बीच अलगाव को वजह पाने नहीं है बल्कि दूसरे पीछे भू-राजनीतिक सम्भे कई कारण हैं।



असफलताओं पर ही सोच अटकी रही, तो आगे कैसे बढ़ेंगे

सर्वेदराज सुथार जियादी अपनी ही लय में चलती है, लेकिन बदलती परिस्थितियों को लेकर हम बेचैन हो जाते हैं। खड़ी बेचैनी धीरे-धीरे हमारे मन की ऊंचाई को खा जाती है और सोच को धुंधला कर देती है। और हमारा ध्यान केवल इन चीजों पर टिका जाता है, जो हमारे निश्चय में नहीं। फिर हम वतमान से कटने लगते हैं। ऐसे में अध्यात्मिक साधना हमें नई राह दिखाती है। जीवन का हर अनुभव, चाहे वह सुखद हो या कठिन, एक संकेत लेकर आता है। लेकिन जब हम कितने घटना को दबाने, उससे भागने या उसका जेप किसी और पर मड़ने लगते हैं, तो भीतर अस्थिरता और अरसतद फुलने लगता है। मन की हलकत बढ़ती है, निर्णय कमजोर पड़ते हैं और समझ को देखने की क्षमता कम हो जाती है। इसके विरुद्ध, जब हम मानसिक अस्थिरता से थोड़ा चलाकर होकर स्थिति को समझने का प्रयास करते हैं, तो मन सफा होने लगता है और अनुभव हमें परिष्कृत बनाते हैं।

जीवन की पहचान तब समझ में आती है, जब अपने वाक्यों को फाटने होती है। अधुनिका, अध्यात्मना यह कतिनाई जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। ये हमें नुकसान नहीं पहुंचते, लेकिन उन पर लामार अटके रहना हमारी सोच को संशिकर कर देता है। वास्तविक शक्ति हमारे भीतर के संतुलन और समझ में छिपी है। खड़ी संतुलन मानसिक स्वतंत्रता देता है। सुनितंत्र और अस्थिरता जीवन के साथ चलते हैं, पर उनका फायदा इस बात पर निर्भर करता है कि हम उन्हें कैसे देखते हैं। खड़ी संतुलन मानसिक स्वतंत्रता देता है। सुनितंत्र और अस्थिरता जीवन के साथ चलते हैं, पर उनका फायदा इस बात पर निर्भर करता है कि हम उन्हें कैसे देखते हैं। खड़ी संतुलन मानसिक स्वतंत्रता देता है। सुनितंत्र और अस्थिरता जीवन के साथ चलते हैं, पर उनका फायदा इस बात पर निर्भर करता है कि हम उन्हें कैसे देखते हैं।

जानता जंक्शन इरफान दिल्ली में लडिग, मौसम हुआ ठंडा

आज तो यह भी नहीं कर सकते कि पौधों को काजोइए?

1.68 करोड़ पुरुष समग्र से पीड़ित

1.30 करोड़ महिलाएं प्ररत

150% बढ़ोतरी होने 2050 तक

44.9 करोड़ से सक्ते है प्रमतिव

प्रसुति- अभिषेक मिश्र

रीडर्स मेल

www.edit.nbt.in

संघर्ष और हिंसा रुके

14 मार्च का संघर्षकाय एक युद्ध था भी' पढ़ा। जब दुनिया का ध्यान अमेरिका, इस्राइल और ईरान के तनाव पर है, उसी समय अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच संघर्ष बढ़ रहा है। पाकिस्तान के हवाई हमलों से अफगान क्षेत्रों में हलाकत खतम हो रहे हैं। इन टकराव का सबसे ज्यादा नुकसान वहां के आम लोगों को हो रहा है, खासकर महिलाओं और बच्चों को। गरीबी और बेरोजगारी के कारण बुरे देशों के असासपत रहने वाले लामार और मजबूर लोगों की मुश्किलें और भी बढ़ गई हैं। ऐसे में विश्व विचारकों को इस तरह ध्यान देना चाहिए कि हिंसा रुके और लोगों की जान बचाव जा सके।

प्रवृद्ध रावत, ईमेल से

nbtedit@timesofindia.com पर अपनी राय नाम-पते के साथ भेजें करें।

NBT AI टाइम मशीन

आज है राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस

आज राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस है। इसकी शुरुआत 1995 में हुई थी...

NBT

Front Page-2

भविष्य में कैंसर की भी वैक्सीन होगी

ChatGPT के अनुसार, भविष्य में भारत में टीकाकरण पूरी तरह AI और उन्नत तकनीक पर आधारित होगा...



जंग पर जरूरी कदम उठा रही सरकार: RSS

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की अधिनियम प्रतिक्रिया में...



प्रकार-वार्ता, 15 मार्च 2026

गायों को सड़कों पर न छोड़ें: सरकार का वारं

सरकार पर कई जंगल दुर्घटना का कारण बन रहे गायों को सड़कों पर छोड़ने का आरोप...

आरावली परिभाषा: एक्सपर्ट कमिटी पर केंद्र सहमत

पैराडीमाई, नई दिल्ली: केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट में...

J&K: घुसपैठ नाकाम, पाकिस्तानी आतंकी ढेर

जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में निरंजना रेड (LOC) के पास सुरुभ बलों ने रजिक्टर को घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया...

अब फोटो छपवाने का मौका भी



खबरों का ज्ञान

- रोज की खबरों पर कितनी नयी नजर है, आजगमर
1 इनसे से किस राज्य में इस साल विधानसभा चुनाव नहीं होने है?
2 राजस्थान में प्रधानमंत्री मोदी को पर सिद्धकर कितने भारत देश की मजदूरी की है?
3 जम्मू-कश्मीर के दिन के दौर पर किस देश पहुंचे?
4 इस साल में भारत उग्रवादी संगठनों के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए मुंबई में किस मंत्रालय का मंत्रालय भी है?

पहाड़ों पर बर्फ, मैदान में गर्मी से राहत

शिमला और आसपास के इलाकों में बारिश के साथ ओले भी गिरे
हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और आसपास के इलाकों में रजिक्टर को तेज हवाओं के साथ बारिश हुई और ओले गिरे।

असम सरकार ने चार उग्रवादी संगठनों से किए शांति समझौते

असम सरकार ने रजिक्टर को तीन कुकी उग्रवादी संगठनों और एक इमार संगठन के साथ शांति समझौते पर साइन किए। सरकार का कहना है कि इन समझौतों के साथ राज्य में 'शांति उग्रवाद' के एक दौर का अंत हो गया है।

एयर इंडिया कर्मियों ने फ्री टिकटें बेच दी

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: एयर इंडिया के नौकरी कर्मचारियों ने सालाना में फ्री मिलने वाली 14 हजारों टिकटों को बेच कर करोड़ों रुपये कमाए।

कंपनी कोली, कर्मचारियों पर भारी पैकेट लुटारो

कर्मचारियों पर भारी पैकेटों की बात कही है। एयर इंडिया के कर्मचारियों को हवाई लेनर टिकट (BLT) पॉलीस के तहत हर साल 14 फ्री एयर टिकट मिलते हैं।



जयशंकर दो दिन के दौर पर बेलियम पहुंचे

पैराडीमाई, नई दिल्ली: विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यूरोपियन यूनियन (EU) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों के साथ बेलियम के लिए रजिक्टर को ब्रजगम (बेलियम की राजधानी) का दौरा किया।

कल के जवाब

- 1. मालक नाम, दिल्ली
2. शांति नरसिम, लखनऊ
3. दीपक गुप्त, दिल्ली
4. एने मेजे अलेन जवाब
अने नाम, शहर के साथ जवाब में nbtreader@timesofindia.com पर, साथ में फोटो भी भेजें। सम्बन्धित में KKG लिखें। हर दिन सभी सही जवाब देते हैं। फ्री बुकिंग रोड्स में से एक का फोटो और दो के नाम छोड़ें जवाब में जवाब आने के पेर की खबरों में ही भेजें।

Advertisement for Bajaj Pulsar 150/125 motorcycle. Features include 'DARE THE DARK', '25 साल का उत्सव', and '₹7000 तक की सेविंग'. Price is ₹85,214. Dealer information for various cities is provided at the bottom.

डेंगू-मलेरिया के खिलाफ MCD का महाभियान, स्टाफ को मिलेगी स्पेशल ट्रेनिंग

Rajesh Saroha
@thesofindia.com



■ नई दिल्ली : दिल्ली में मच्छर जनित बीमारियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए नगर निगम (MCD) के पब्लिक हेल्थ विभाग ने अगले साल के लिए डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया जैसी बीमारियों की रोकथाम और बचाव के लिए विभाग ने अपने एक्शन प्लान तैयार कर दिया है। इस योजना के तहत नगरीय क्षेत्रों में डेंगू के लक्षणों और निवृत्तों को पहचानने के लिए अग्रिम कदम उठाए जाते हैं और 'पीएच' में जाकर अग्रिम जतना की प्रवृत्ति डेंगू में जागरूक कर रहे हैं।

लोगों को दिया जाएगा विशेष कार्यक्रम : पब्लिक हेल्थ विभाग इस बार 'डेंगू होमवर्क कार्ड' योजना पर विशेष ध्यान दे रहा है, जो बीमारियों की रोकथाम में बेहतर कारणों को प्रोत्साहित करता है। इस योजना के तहत स्वस्थ कर्मचारियों पर-पर जाकर नगरियों को एक विशेष कार्ड सौंपे। इस कार्ड में स्वास्थ्य आश्वासन पर किए जाने वाले सुझावों की सूची दी गई है।

लोगों से की गई खास अपील : स्वास्थ्य विभाग ने दिल्लीवासियों से अपील की है कि वे अपने आसपास जल संचयन न होने दें। कुलर का पानी हर साता बदलें, पानी की टैंकों को हमेशा ढककर रखें। इनके आसपास मच्छरों को मारने के लिए धुंधले पानी को न निकालें। साथ ही स्टाफ को इन बीमारियों के लक्षणों और निवृत्तों को पहचानने के बारे में विस्तार से समझाया जाएगा। इसमें बताया जाएगा कि कैसे पानी के कुलर, पानी की टैंकों, गमलों को धोएं, पुराने टायर, खुले डिब्बे, बेतैल और निर्माण स्थलों पर नया पानी मच्छरों के लिए सबसे सुरक्षित विकल्प बनते हैं।

'अपना घर आश्रम' के 12वें वार्षिकोत्सव में शामिल हुई सीएम बूढ़पुर आश्रम तक बनेगी सड़क: CM

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रविवार को बुधपुर विधानसभा पर आश्रम के 12वें वार्षिकोत्सव और सड़क के उद्घाटन समारोह में शामिल हुईं। उन्होंने आश्रम की ओर से पिछले 26 वर्षों से बेमता और अग्रिम लोगों को निवास सेवा के लिए संस्था को सहायता की और सम्मान के लिए इसे प्रशंसा करते हुए कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'अपना घर आश्रम' मानवता और करुणा का जीवंत उदाहरण है।



सीएम ने बुधपुर में मूलभूत की और निवास सेवा के लिए संस्था की सराहना की

संस्था द्वारा न केवल ऐसे लोगों को आश्रम प्रदान किया जा रहा है, बल्कि उन्हें बेहतर केंद्र, खाना, कपड़े और देखभाल जैसी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाकर उन्हें सम्मान के साथ जीवन देने का काम भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'अपना घर आश्रम' ने देश का एक उत्कृष्ट अग्रिम खड़ा किया है, जिसके अंतर्गत आज भारत में 70 से अधिक केंद्र संचालित हो रहे हैं, जबकि विदेशों में भी इसकी सेवाएं निरंतर विस्तार पा रही हैं।

रेखा गुप्ता ने संस्था के कार्य में प्रशंसा होकर कहा कि उनके विकास और संवर्धन से नृपति प्रशंसात्मक समाज है, जो देश की उपलब्धता और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं के समाधान में दिल्ली सरकार का सहयोग देने का आग्रह किया। उन्होंने आश्रम तक पहुंचने वाली सड़क के निर्माण के लिए भी जरूरी वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की घोषणा की। इस मौके पर उद्योग मंत्री दिल्ली से सांसद वैशंपते चंडेनिया, नेता से विधाक रामनारायण खत्री, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मंगलू जन्तू सहित संस्था के जुड़े अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।



लाल बहादुर सदन में किया पौधरोपण

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : के सदस्यों और निवासियों ने नाम दिया। एनडीएमसी के उद्योग कूलनीट सिंह चाल ने कहा कि यह फल प्रजनन के प्रेरणादायी अग्रिम एक पैरु में के नाम लाल बहादुर सदन में पौधरोपण किया। निवासियों ने नाम दिया।

गैस लीक होने से मासूम की मौत

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

मयूर विहार फेज-3 में रविवार दोपहर एलपीजी सिलिंडर लीक होने के कारण हुई मौत की एक बच्ची बेहोश हो गई। परिवार वाले उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत बता दिया। फिलहाल गैसीयूर पुलिस मामले को जांच कर रही है।



सगा का बच्चा लीक गैस से मर गई

मयूर विहार फेज-3 का मामला, गाजीपुर पुलिस मामले की कर रही जांच

खेलते खेलते गिर गई थी बहन, जो नहीं बच पाई। बड़ी रात भी हो गई थी बेहोश

स्पीकिंग ट्री रिट्रीट

योग गुरु सुरक्षित गोस्वामी के सान्निध्य में

मना किन्नोर, हिमालय की शीत में आम अनुभव के योग, ध्यान, मीन और आध्यात्मिक उपकरणों का शिव्य सत्र। घाट विद्युत इस रिट्रीट में होय ऊर्जा, साधुता और आध्यात्मिक शांति का संसार। योग गुरु सुरक्षित गोस्वामी के मार्गदर्शन में यह यात्रा आपका जीवन को नया आयाम दे सकेगी है। स्वस्थ रहकर रहना और तीन व्रत का मोक्ष प्राप्त करें।

स्थान : परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश
तिथि : 27 से 30 मार्च 2026
शुल्क मात्र : ₹12,999 प्रति व्यक्ति

सीटें सीमित हैं, आज ही पंजीकरण करें।
रजिस्ट्रेशन करने के लिए नीचे दिए गए नंबर पर सुबह 10 बजे से रात 7 बजे के बीच कॉल करें या अपनी व्हाट्सएप पर भेजें।
9910475909
NBT नवभारत टाइम्स

YOUR DREAM HOME JUST GOT MORE AFFORDABLE. Home loans starting @ 7.15%
50% OFF ON PREPAYMENT
Send '50' on WhatsApp 836998182

दिल्ली की खबरों के लिए टेलिग्राम पर फॉलो करें t.me/nbtindia

BIOTECH 2026 Session Admission Notice
Get practical experience at 52 hi-tech labs including Animal Cell Culture, Plant Tissue Culture, Bioinformatics, Molecular Biology, Recombinant DNA Tech...
Train in hi-end instrumentation and research techniques including Scanning Electron Microscopy (SEM), Flow Cytometry, FACS, Confocal Microscopy, RT-PCR...
High peer quality: Students publish research papers in Nature, The Lancet, ACS Nano...
UG, PG & Ph.D programmes offered in: Biotechnology, Bioinformatics, Medical Biotech, Zoology, Botany
Other programmes in Life Sciences in: Microbiology, Clinical Embryology, Immunology, Medical Microbiology, Biochemistry, Virology, Stem Cell and Regenerative Biology, Molecular Medicine, Molecular Cancer Biology, Nanomedicine, Biomedical Sc., Medical Lab Technology

पंचायत में मारपीट, ग्राम प्रधान समेत तीन पर FIR

■ NBT मयूर, उत्तरांचल : उत्तरांचल कोटा जिले के अठ्ठेन बुधपुर गांव में पंचायत के दौरान दो पक्षों के बीच हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने ग्राम प्रधान समेत तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।
पुलिस को दो शिकायतों में अठ्ठेन बुधपुर गांव निवासी देवनाथ ने बताया कि 12 मार्च को किसी बात को लेकर गांव के प्रधान अशोक ने उनका विक्टर दो गज पकड़ने में उठने पास के अस्पताल में भेजी। विक्टर के बाद दोनों पक्षों के लोगों ने आसपास समूहों के लिए खिंचार को पंचायत कुनाई। पंचायत में दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया जा रहा था।
पुलिस का आरोप है कि अशोक अशोक ने बंधु पर धरि। विक्टर करने पर अठ्ठेन पक्ष ने विक्टर और उसके परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट शुरू कर दी। पंचायत में विक्टर को गंभीर चोट आई है। पकड़ने में उठने पास के अस्पताल में भेजी।

FOR SALE OF LOTUS HOTEL AT NATIONAL HIGHWAY-7, SECTOR-62, KUNDLI, SONEPAT, HARYANA
It is hereby notified that Lotus Hotel property in the name Lotus Hotel (Approx 6500 sq ft) Super Area, at prime location of National Highway-7, Sector-62, Kundli, Sonapat, Haryana consisting of Two Banquet Halls, One Restaurant, Swimming Pool, Party Two Rooms, Reception Area, Kitchen Area and 20 numbered car parking and approx. 3000 sq. ft. area for storage in 5th basement is FOR SALE. For Prior Appointment please contact us on below numbers:
Mr. G.P. Mittal - 9611082709
Mr. Rajinder Bansal - 9610819360

नए श्रम कोड में गैरकानूनी और सुदूरी नगदीकरण पर नियोजिता की जिम्मेदारी को पुनः परिभाषित किया गया है। हमारी विशेषज्ञता यह सुनिश्चित करेगी कि अनुपालन प्रक्रिया सरल, विषमसंयोजित और भविष्य के लिए तैयार हो।

युवराज का इसाफ का इतजार
58 दिन बाद भी SIA रिपोर्ट नहीं

दिल्ली की खबरों के लिए एक्स पर फॉलो करें @NBTindia

दो इंस्पेक्टर लाइन हाज़िर

■ NBT रिपोर्ट, चार नगर : चार नगर में हुई एक के केस में अग्रिम कर्मचारी को पकड़ने पर नई दिल्ली के दो इंस्पेक्टरों को लाइन हाज़िर किया गया है। साथ ही उनके डिप्लोमा डिप्लोमा इन इन्वेंस्टिगेशन इकाई शुरू कर दी गई है।
नई दिल्ली के अग्रिम विभाग ने बचाने जारी करते हुए कहा कि मेसाल में विभाग पर चर रहे एक विधिको के एक पुलिस अधिकारी के कथन हैं, जिसमें अग्रिम लगाया गया है कि नवसंविदा और दूसरे अग्रिमों में अग्रिम अग्रिमों को सॉल्यूशन प्रारंभ में अग्रिम जोड़ा जात है। ऐसे में यह कथन कि नगर है कि पब्लिक से बातचीत के दौरान इंस्पेक्टर रानी, ATO अग्रिम विक्टर (जो रजिस्टर SHO के और पर SHO चरन का नाम देखा रहे थे, हट्टी पर थे) को कुछ नि-निम्नोपकरण कर्मचारी हैं, जो फेडरल पर आधारित नहीं थे।

GLA UNIVERSITY
Accredited with A+ Grade by NAAC
Mathura | Greater Noida
28th Anniversary
ADMISSION NOTIFICATION 2026-27
COURSES OFFERED
ENGINEERING (B TECH/ M TECH) Computer Science, Electronics, Electrical, Mechanical, Civil
COMPUTER APPLICATION BCA, MCA
MANAGEMENT BBA, B Com, MBA
PHARMACY D Pharm, B Pharm, Pharm D, M Pharm
LAW BA LLB (Hons.), BBA LLB (Hons.), LLM
EDUCATION B Ed, ITEP B Sc B Ed
AGRICULTURE B Sc, M Sc
SCIENCE & HUMANITIES BA, MA, B Sc, M Sc
BIOTECHNOLOGY B Tech Biotechnology, B Sc, M Sc
DIPLOMA IN ENGINEERING Computer Science, Electronics, Electrical, Mechanical, Civil
UPTO 90% SCHOLARSHIP FOR THE MERITORIOUS STUDENTS
Mathura Campus: 17km Stone, NH-44, Mathura-Delhi Road, P.O. Chaumuhan, Mathura-281406 (U.P.) India
Gr. Noida Campus: 15 A, Knowledge Park - II, Greater Noida - 201310 (U.P.) INDIA
+91-9027068068 Visit us: www.gla.ac.in

एलआईसी की समूह योजनाएं
नया गुप ग्रेच्युटी कैश ऐक्युमुलेशन प्लान - UIN: 512N281V04
नया गुप लीव एनकैशमेंट प्लान - UIN: 512N282V04
नया गुप सुपर ऐक्युमुलेशन कैश ऐक्युमुलेशन प्लान - UIN: 512N274V03
गुप पोस्ट रिटायरमेंट मेडिकल बेनिफिट स्कीम - UIN: 512N352V01
गुप बेनिफिट्स सिक्कोर प्लान UIN: 512N367V01
मुख्य विशेषताएं: वैधानिक आधार पर कंठिन, आकर्षक ब्याज दरें, बीमा सुरक्षा का साथ, नियमानुसार आकर्षक संबंधी लाभ, वार्षिकी पुस्तान के कई विकल्प

NOTE :-

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS

[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot

Or type in Search box of Telegram

@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel

BACKUP GROUP LINK

<https://t.me/joinchat/5P9EL1JaQoYzNTI1>

Hindi-English News Paper

Website:- onlineftp.in